12. गुण बताने वाले शब्द

प्रत्येक वस्तु, प्राणी आदि में कुछ-न-कुछ गुण या विशेषता होती है। कुछ शब्दों द्वारा व्यक्ति, वस्तु आदि का गुण-दोष, स्वभाव, रंग, स्वाद, संख्या, मात्रा आदि का पता चलता है। ये शब्द गुण बताने वाले शब्द या विशेषण कहलाते हैं।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका पृष्ठ 41 पर दी गई कविता पढ़ें फिर बच्चों से पढ़वाएँ।
- बच्चों की रोचकता बनाए रखने के लिए उनसे पूछें– उन्होंने चूहा देखा है कभी? चूहा कैसा होता है, उसकी आँखें, पूँछ आदि कैसी होती हैं।
- तदुपरांत उन्हें कविता में आए शब्दों के बारे में समझाएँ कि ये शब्द चूहे का गुण या विशेषण बता रहे हैं।
- कविता द्वारा कैसा या कितना प्रश्न पूछकर बच्चों को सरलता से विशेषण शब्दों के बारे में समझाया जा सकता है। बच्चों से प्रश्न पूछते हुए पृष्ठ 42 पर दिए प्रश्नों के उत्तर बच्चों से लिखवाते जाएँ।
- कोई भी चीज़ कैसी या कितनी है, यह बताने के लिए उन्हें कुछ उदाहरण दिए जा सकते हैं, जैसे पृष्ठ 42 पर दिए शब्दों को पढ़ें-पढ़वाएँ– अच्छा बालक, तीखी मिर्च, काली चिड़िया, चार सेब आदि।
- इन शब्दों को समझाने के लिए अपने उदाहरणों को रोज़मर्रा की गतिविधि से जोड़कर भी समझाया जा सकता है। जैसे– आप बच्चों से पूछें, उनकी स्कूल ड्रेस का क्या रंग है? बच्चे ने उत्तर दिया-सफ़ेद कमीज़ नीली पैंट। तब आप बताएँ कि सफ़ेद रंग द्वारा कमीज़ की विशेषता तथा नीले रंग से पैंट की विशेषता या गुण पता चल रहा है। इसी प्रकार छोटे-छोटे प्रश्नों के माध्यम से विशेषण को सरलता से समझाया जा सकता है।
- अभ्यास प्रश्न करवाते समय प्रत्येक बच्चे की पुस्तिका पर ध्यान दें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चा गुण बताने वाले शब्द समझ गया है।